**CAL-1 Examination**

अपभ्रंश साहित्य का इतिहास

**Paper- CAL-01**

**Time Allowed : Three Hours** **Maximum Marks : 100**

**There are 50 multiple choice question in this paper. Attemt all questions. Each question carries 2 marks. You have to answer the question by marking A/B/C or D in the OMR Sheet supplied to you alongwith the question paper. You must also darken the relevant option by making use of H.B. Pencil/ Blue Ball Pen/ Black Ball Pen. No marks will be deducted for wrong answer.**

यह प्रश्नपत्र कुल 50 बहुवैकल्पिक प्रश्नों का है। प्रत्येक प्रश्न 2 अंकों का है। आपको प्रश्नों के उत्तर अ/ब/स अथवा द का चयन करते हुए प्रश्नपत्र के साथ वी **OMR Sheet** में दर्ज करने हैं। साथ ही सम्बन्धित गोले को भी एच. बी. पेन्सिल/ नीले बाॅल पेन/ अथवा काले बाॅल पेन से भरा जाना है। गलत उत्तर के लिए अंकों की कटौती नहीं की जायेगी।

1. वैदिक काल की भाषा कहलाती है

(अ) छान्दस् (ब) हिन्दी

(स) अपभ्रंश (द) पालि

2. सम्राट अशोक का समय है-

(अ) 200 ई. (ब) 300 ई. पू.

(स) 500 ई. (द) 600 ई. पू.

3. जैनों का प्रारम्भिक साहित्य कहा जाता है-

(अ) त्रिपिटक (ब) आगम

(स) वेद (द) बाइबिल

4. जोइन्दु का परमात्म प्रकाश है-

(अ) महाकाव्य (ब) चरितकाव्य

(स) मुक्तक काव्य (द) खण्डकाव्य

5. प्राकृत का प्रतिनिधित्व करने वाली भाषा का नाम है-

(अ) संस्कृत (ब) अपभ्रंश

(स) पालि (द) इनमें से कोई नहीं

6. प्राकृत वैयाकरणों में से किसने अपभ्रंश का नामोल्लेख सर्वप्रथम किया?

(अ) हेमचन्द्राचार्य (ब) मार्कण्डेय

(स) चण्ड (द) त्रिविक्रम

7. ''जहाँ हिन्दी का प्रश्न है, वह इसकी उत्तराधिकारिणी है''-

(अ) अपभ्रंश (ब) संस्कृत

(स) पालि (द) प्राकृत

8. अपभ्रंश का सर्वप्रथम प्रयोग पतंजलि के महाभाष्य में किस शब्द के लिए हुआ है-

(अ) भ्रष्ट (ब) अपाणिनीय

(स) अवहट्ट (द) अवहंस

9. अपभ्रंश के आदिकवि कहलाते हैं-

(अ) रइधू (ब) पं. तेजपाल

(स) स्वयंभू (द) श्रीधर

10. पउमचरिउ के रचयिता हैं-

(अ) महाकवि पुष्पदंत (ब) महाकवि स्वयंभू

(स) कवि रइधू (द) पं. तेजपाल

11. अपभ्रंश से उद्भूत आधुनिक भाषा है-

(अ) हिन्दी (ब) मराठी

(स) बंगाली (द) उक्त सभी

12. अपभ्रंश के ऐहिकतापरक प्रबन्धात्मक रचनाओं में अब्दुल रहमान का ग्रन्थ है-

(अ) णायकुमारचरिउ (ब) संदेशरासक

(स) परमात्मप्रकाश (द) करकण्डूचरिउ

13. णायकुमारचरिउ के रचयिता हैं-

(अ) पुष्पदंत (ब) स्वयंभू

(स) कनकामर (द) देवसेन

14. धनपाल की रचना है-

(अ) भविसयत्तकहा (ब) जिनदत्तकहा

(स) विलासवइकहा (द) सिरिपालकहा

15. विदेशी विद्वान् हर्मन जेकोबी ने किस ग्रन्थ का सर्वप्रथम सम्पादन किया-

(अ) भविसयत्तकहा (ब) जिणदत्तकहा

(स) णायकुमारचरिउ (द) पासणाहचरिउ

16. 'स्वयंभू को हिन्दी के पाँच युगों के कवियों में सबसे बड़ा कहा हैं। यह कथन है-

(अ) मैथिलीशरण गुप्त(ब) राहुल सांकृत्यायन

(स) हरिवंशराय बच्चन(द) सुभद्राकुमारी चैहान

17. पउमचरिउ के नायक हैं-

(अ) श्रीकृष्ण (ब) राम

(स) हनुमान (द) महावीर

18. महापुराण के कर्ता हैं-

(अ) रइधू (ब) पुष्पदंत

(स) हेमचन्द्र (द) पं. तेजपाल

19. महापुराण में वर्णन है-

(अ) 54 महापुरुषों का (ब) 63 शलाकापुरुषों का

(स) 70 महापुरुष (द) 20 महापुरुष

20. जंबूसामिचरिउ में संधियां हैं-

(अ) 8 (ब) 11

(स) 16 (द) 20

21. अपभ्रंश कथाकाव्यों में नायक हो सकता है-

(अ) जनसामान्य (ब) काल्पनिक पात्र

(स) पौराणिक पुरुष (द) उक्त सभी

22. महाकवि पुष्पदंत की रचना है-

(अ) जसहरचरिउ (ब) मेहेसरचरिउ

(स) कुमारवालचरिउ (द) कण्हचरिउ

23. सुदंसणचरिउ में संधियां हैं-

(अ) 8 (ब) 12

(स) 20 (द) 25

24. करकण्डू का नाम करकंडू रखने का कारण है-

(अ) हाथों में कंडू होने से (ब) सिर में कंडू होने से

(स) आँखों में कंडू होने से (द) हाथी पानी में डालने से

25. आध्यात्मिक रहस्यवादी धारा के कवि हैं-

(अ) पुष्पदंत (ब) मुनि रामसिंह

(स) रइधू (द) मुनिकनकामर

26. बौद्ध सिद्ध अपभंश धारा के विद्वान् हैं-

(अ) पं. राहुल सांकृत्यायन (ब) डॉ. हीरालाल जैन

(स) डा. ए. एन. उपाध्ये (द) डॉ. प्रेम सुमन जैन

27. ''यदि प्रबन्ध काव्य एक विस्तृत वनस्थली है तो मुक्तक काव्य एक चुना हुआ गुलदस्ता है''। यह कथन है-

(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ब) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

(स) डॉ. हीरालाल जैन (द) डॉ. जेकोबी

28. 600 ई. से 15वीं शताब्दी तक की साहित्यिक भाषा थी-

(अ) संस्कृत (ब) प्राकृत

(स) अपभंश (द) पालि

29. मुनि रामसिंह कृत पाहुडदोहा में 'पाहुड का अर्थ है-

(अ) तिरस्कार (ब) उपहार

(स) उपकार (द) उपयोग

30. किस शिलालेख से पता चलता है कि 6वीं शताब्दी में अपभंश काव्य रचना होने लगी थी-

(अ) वल्लभी नरेश धरसेन-शिलालेख (ब) सम्राट अशोक-शिलालेख

(स) कक्कुट-शिलालेख (द) हाथीगुंफा-शिलालेख

31. परवर्ती अपभंश को कहा जाता है-

(अ) संस्कृत (ब) अवहट्ट

(स) प्राकृत (द) पालि

32. परवर्ती अपभंश की रचना है-

(अ) बहुबलिरास (ब) नेमिनाथ चउपई

(स) नेमिनाथ फागु (द) उक्त सभी

33. अपभ्रंश का सर्वप्रथम प्रयोग किसने महाभाष्य में किया है?

(अ) पाणिनी (ब) पतंजलि

(स) पूज्यपाद (द) कातंत्रकार

34. प्राकृत पैंगलम् की भाषा है-

(अ) नूतन हिन्दी (ब) परवर्ती अपभ्रंश

(स) गुजराती (द) संस्कृत

35. प्राकृत भाषा का समृद्ध युग है-

(अ) तृतीयस्तरीय प्राकृत से (ब) प्रथमस्तरीय प्राकृत से

(स) चतुर्थस्तरीय प्राकृत से (द) पंचमस्तरीय प्राकृत से

36. संदेशरासक के कर्ता हंै-

(अ) पं. तेजपाल (ब) अब्दुल रहमान

(स) विनयप्रभसूरि (द) हरिभद्रसूरि

37. कथ्य भाषा होती है-

(अ) प्रवाहशील (ब) अपरिवर्तित

(स) अप्रवाहशील (द) इनमें से कोई नहीं

38. सिन्धी भाषा की लिपि है-

(अ) देवनागरी (ब) गुरूमुखी

(स) लंडा (द) फारसी

39. भारत में पंजाबी भाषा की लिपि है-

(अ) देवनागरी (ब) शारदा

(स) गुरूमुखी (द) लंडा

40. गुजराती भाषा की लिपि है-

(अ) शारदा (ब) देवनागरी

(स) गुरूमुखी (द) लंडा

41. उड़िया भाषा में समिश्रण है-

(अ) तेलगु और मराठी का (ब) राजस्थानी और गुजराती का

(स) बुन्देली और वघेली का (द) मालवी और बंगाली का

42. राजस्थानी भाषा का पूर्व नाम है-

(अ) मरुदेशीय (ब) मरुभाषा

(स) मरुभूम भाषा (द) उक्त सभी

43. मैथिली में कितनी लिपियों का प्रयोग होता है-

(अ) आठ (ब) तीन

(स) पाँच (द) दस

44. हरियानी बोली की लिपि है-

(अ) शारदा लिपि (ब) नागरी लिपि

(स) दक्षिण लिपि (द) ग्रन्थलिपि

45. ब्रज भाषा का विकास हुआ -

(अ) मागधी अपभंश (ब) शौरसेनी अपभंश

(स) पालि अपभंश (द) इनमें से कोई नहीं

46. मारवाड़ी का प्राचीन नाम है-

(अ) पिंगल (ब) डिंगल

(स) कुंतल (द) ढूढारी

47. मुनि रामसिंह का निवास स्थान है-

(अ) राजस्थान (ब) बंगलादेश

(स) उत्तरप्रदेश (द) कर्नाटक प्रान्त

48. किस जर्मन विद्वान् ने अपभंश साहित्य के सम्पादन में योगदान दिया?

(अ) हर्मन जेकोबी (ब) डाॅ. हीरालाल जैन

(स) डाॅ. ए. एन. उपाध्ये (द) डाॅ. कमलचन्द सोगानी

49. महापुराण का प्रमुख रस है-

(अ) शृंगार रस (ब) अद्भुत रस

(स) शान्तरस (द) इनमें से कोई नहीं

50. णमोकार महामंत्र के महात्म्य का प्रतिपादन है-

(अ) णायकुमारचरिउ में (ब) सुदंसणचरिउ में

(स) पासणाहचरिउ में (द) वरंगचरिउ में

51. लौकिक संस्कृत को सर्वप्रथम अपरिवर्तनशील अथवा नियमबद्ध करने में योगदान है -

(अ) पाणिनी (ब) भास

(स) कालिदास (द) भवभूति

52. बौद्धों का साहित्य कहलाता है-

(अ) आगम (ब) त्रिपिटक

(स) वेद (द) कुरान सम्राट

53. अशोक ने अपने शिलालेखों में किस भाषा का प्रयोग किया?

(अ) संस्कृत (ब) हिन्दी

(स) प्राकृत (द) राजस्थानी

54. अपभ्रंश साहित्य का काल माना जाता है-

(अ) 600 ई. से 1200 ई. तक (ब) 600 ई.पू. से 200 ई.पू. तक

(स) 300 ई. पू. से 200 ई. तक (द) 200 ई. से 600 ई. तक

55. अपभ्रंश: एक परिचय के लेखक हैं-

(अ) प्रो. कमलचन्द सोगानी (ब) प्रो. प्रेम सुमन जैन

(स) प्रो. राजाराम जैन (द) प्रो. कमलेश जैन

56. इस जाति से अपभं्रश का घनिष्ट सम्बन्ध है-

(अ) आभीर (ब) गौड़

(स) द्राविड़ (द) आर्य

57. अपभ्रंश भाषा कहलाती है-

(अ) इकार बहुला (ब) उकार बहुला

(स) ओकार बहुला (द) एकार बहुला

58. अपभ्रंश साहित्य पाया जाता है-

(अ) जैनों की रचनाओं में (ब) बौद्ध सिद्धों की रचनाओं में

(स) ऐहिकतापरक रचनाओं में (द) उक्त सभी रचनाओं में

59. बौद्धों का सिद्ध साहित्य है-

(अ) महाकाव्य (ब) चरितकाव्य

(स) मुक्तक काव्य (द) खण्डकाव्य

60. णायकुमारचरिउ के सम्पादक हैं-

(अ) डाॅ. रामकुमार (ब) डाॅ. प्रेम सुमन

(स) डाॅ. हीरालाल जैन (द) डाॅ. हरि

61. पउमचरिउ में 'पउम' शब्द इंगित करता है-

(अ) कृष्ण को (ब) राम को

(स) भरत को (द) बहुबली को

62. पउमचरिउ में कितने काण्ड हैं-

(अ) दो (ब) तीन

(स) चार (द) पाँच

63. महाकवि पुष्पदंत के गोत्र का नाम है-

(अ) कश्यप (ब) भारद्वाज

(स) मिश्र (द) चतुर्वेदी

64. महापुराण में संधियां हैं-

(अ) 90 (ब) 102

(स) 50 (द) 30

65. वीरकवि की रचना है-

(अ) वरंगचरिउ (ब) जंबूसामिचरिउ

(स) वीरचरिउ (द) मेहेसरचरिउ

66. जंबूसामिचरिउ की भाषा है-

(अ) हिन्दी (ब) अपभ्रंश

(स) संस्कृत (द) ब्रज

67. णायकुमारचरिउ का मुख्यपात्र है-

(अ) ज्ञानकुमार (ब) नागकुमार

(स) सुभगकुमार (द) नामकुमार

68. सुदंसणचरिउ के कर्ता हैं-

(अ) पुष्पदंत (ब) रइधू

(स) महामुनि नयनंदी (द) हरिभद्रसूरि

69. सुदंसणचरिउ का रचनाकाल है-

(अ) वि.सं. 900 (ब) वि.सं. 1100

(स) वि.सं. 1500 (द) वि.सं. 1600

70. सुप्रभाचार्य द्वारा रचित 77 पद्यों की रचना है-

(अ) वैराग्यसार (ब) सावयधम्मदोहा

(स) दोहाकोसु (द) परमात्मप्रकाश

71. कालिदास के नाटक में अपभंश पद हैं-

(अ) विक्रमोर्वशीय (ब) मृच्छकटिकं

(स) चारुदत्त (द) अभिज्ञानशाकुन्तलं

72. अपभंश बौद्ध सिद्ध साहित्य के आदि सिद्ध हैं-

(अ) सरहपा (ब) स्वयंभू

(स) हपा (द) सरहभाई

73. चरितकाव्यों के नायकों का लक्ष्य है-

(अ) ऐश्वर्य की प्राप्ति (ब) यश प्राप्ति

(स) निर्वाण प्राप्ति (द) धन की प्राप्ति

74. अपभंश साहित्य की मुक्तक रचनाएँ किन रूपों में मिलती है?

(अ) दो (ब) चार

(स) छह (द) आठ

75. सावयधम्मदोहा में धर्म का मूल बताया है-

(अ) ज्ञान (ब) दान

(स) दया (द) धन

76. परवर्ती अपभंश का समय है-

(अ) 11वी से 14वीं शताब्दी तक (ब) प्रथम से पाँचवीं शताब्दी तक

(स) 600 ई.पू. से 200 ई. पू. तक (द) 200 ई. पू. से 200 ई. तक

77. प्राकृत भाषा में उपदेश दिया -

(अ) राम और भरत (ब) बलराम और श्रीकृष्ण

(स) महावीर और बुद्ध (द) पाणिनी और पतंजलि

78. नेमिनाथ चउपई के रचयिता हंै-

(अ) विनयप्रभसूरि (ब) मैथिलीशरण गुप्त

(स) अब्दुल रहमान (द) जिनपद्मसूरि

79. साहित्यिक भाषा का आधार होता है-

(अ) शुद्ध हिन्दी (ब) लोक भाषा

(स) परिष्कृत भाषा (द) इनमें से कोई नहीं

80. कवि विद्यापति को सम्बोधित किया जाता है-

(अ) सरल वक्ता (ब) कोकिला

(स) मैथिली कोकिल (द) सुमन सहाय

81. ''प्रत्येक युग में साहित्यारूढ़ भाषा के समानान्तर कोई न कोई लोकभाषा अवश्य रही है, जो उसे नया जीवन प्रदान करती है''। यह कथन है-

(अ) हजारी प्रसाद द्विवेदी (ब) डाॅ. नामवर सिंह

(स) चन्द्रधर शर्मा गुलेरी (द) डाॅ. रामचन्द्र शुक्ल

82. सिन्धी का घनिष्ठ सम्बन्ध है-

(अ) गुजराती और लहंदा से (ब) राजस्थानी और मराठी से

(स) बुन्देली और उड़िया से (द) बंगला से

83. सिन्धी भाषा का जन्म हुआ-

(अ) आधुनिक गुजराती से (ब) ब्राजड अपभ्रंश से

(स) बंगला अपभ्रंश से (द) असमिया अपभं्रश से

84. पंजाबी भाषा में साहित्य सृजन में गति किस राजा के राज्य में आई-

(अ) महाराज महेन्द्रसिंह (ब) महाराज रणजीतसिंह

(स) महाराज मानसिंह (द) महाराज गुर्जीतसिंह

85. मराठी भाषा का विकास किससे हुआ?

(अ) महाराष्ट्री अपभ्रंश (ब) शौरसेनी अपभ्रंश

(स) पूर्वी अपभं्रश (द) ब्राजड अपभं्रश

86. उड़िया भाषा के नामकरण का आधार है-

(अ) पोरवाल जाति (ब) परिवार जाति

(स) जैसवाल (द) ओड़ जाति

87. राजस्थानी भाषा का सर्वप्रथम सर्वेक्षण किया था-

(अ) जार्ज ह्यूमेन्सन (ब) जार्ज ह्यूटन

(स) जार्ज अब्राहम गियर्शन (द) जार्ज बुश

88. पूर्वी अंचल की महत्त्वपूर्ण भाषा है-

(अ) बुन्देली (ब) मैथिली

(स) गुजराती (द) राजस्थानी

89. मैथिल साहित्य कब से प्राप्त होता है?

(अ) 14वीं शताब्दी से (ब) 18वीं शताब्दी से

(स) 16वीं शताब्दी से (द) 17 वीं शताब्दी से

90. हिन्दी भाषा का मध्यकाल है-

(अ) 1500 ई. से 1800 ई. तक (ब) 600 ई. से 1200 ई. तक

(स) 100 ई. से 200 ई. तक (द) 800 ई. से 1000 ई. तक

91. ब्रज प्रदेश की भाषा है-

(अ) माथुरी भाषा (ब) ब्रजभाषा

(स) ब्रजू भाषा (द) इनमें कोई नहीं

92. बुन्देलखण्ड में प्रचलित बोली है-

(अ) वघेली (ब) मारवाड़ी

(स) बुन्देली (द) ढूढारी

93. कन्नौजी भाषा को पांचाली किसने कहा?

(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ब) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(स) आचार्य किशोरी दास (द) आचार्य महावीर प्रसाद शर्मा

94. विहारी उपभाषा है-

(अ) भोजपुरी (ब) मैथिली

(स) मगही (द) उक्त सभी

95. पं. चन्द्रधर शर्मा गुलेरी ने अपभ्रंश को सम्बोधित किया है-

(अ) पुरानी हिन्दी (ब) नूतन हिन्दी

(स) खड़ी हिन्दी (द) इनमें से कोई नहीं

96. सावयधम्मदोहा के रचयिता हंै-

(अ) देवसेन (ब) मुनि कनकामर

(स) सुप्रभाचार्य (द) कवि हरिदेव

97. रिजर्ड पिशेल ने किस ग्रन्थ का सर्वप्रथम प्रकाशन किया?

(अ) प्राकृत भाषाओं का व्याकरण (ब) संस्कृत भाषा का साहित्य

(स) हिन्दी में प्राकृत का योगदान (द) इनमें से कोई नहीं

98. तिसट्ठिमहापुरिसगुणालंकार का अपर नाम है-

(अ) णायकुमारचरिउ (ब) महापुराण

(स) चउपन्नमहापुरिसचरियं (द) पद्मपुराण

99. जंबूचरिउ काव्य है-

(अ) महाकाव्य (ब) खण्डकाव्य

(स) गीतिकाव्य (द) इनमें से कोई नहीं

100. करकंडूचरिउ के रचयिता हैं-

(अ) स्वयंभू (ब) रइधू

(स) मुनि नयनंदी (द) मुनि कनकामर

101.जैनों का प्रारम्भिक साहित्य कहा जाता है-

(अ) वेद (ब) त्रिपिटक

(स) वाइविल (द) आगम

102. भाषा के अर्थ में अपभ्रंश शब्द का प्रयोग किस शताब्दी में हुआ?

(अ) 1000 ई. में (ब) 600 ई.

(स) 1200 ई. (द) 400 ई.

103. भरतमुनि ने नाट्यशास्त्र में अपभं्रश को कहा है-

(अ) इकार बहुला (ब) एकार बहुला

(स) उकार बहुला (द) ओकार बहुला

104. वस्तुतः भाषा को देशीभाषा की संज्ञा के कितने कारण हैं?

(अ) सात (ब) दस

(स) दो (द) पन्द्रह

105. अपभ्रंश की परम्परा प्राप्त हुई-

(अ) प्राचीन भाषााओं को (ब) आधुनिक भाषाओं को

(स) पालि भाषा को (द) इनमें से कोई नहीं

106. अपभ्रंश भाषा के भेद हैं-1. परिनिष्ठित अपभ्रंश 2. परवर्ती अपभ्रंश

(अ) प्रथम मात्र (ब) प्रथम और द्वितीय

(स) दोनों नहीं (द) इनमें से कोई नहीं

107. अश्वघोष के नाटकों की प्राकृत है-

(अ) तृतीय युगीन (ब) द्वितीय युगीन

(स) प्रथम युगीन (द) पंचम युगीन

108. अपभ्रंश भाषा है-

(अ) प्रथम युगीन (ब) द्वितीय युगीन

(स) तृतीय युगीन (द) पंचम युगीन

109. कालिदास कृत विक्रमोर्वशीय नाटक के किस अंक में अपभ्रंश के पद्य हैं?

(अ) प्रथम अंक (ब) द्वितीय अंक

(स) चतुर्थ अंक (द) अष्टम अंक

110. मुक्तक उपदेशात्मक धारा में देवसेन की महत्त्वपूर्ण रचना है-

(अ) परमात्म प्रकाश (ब) सावयधम्मदोहा

(स) पाहुड़ दोहा (द) इनमें से कोई नहीं

111. रिट्ठणेमिचरिउ के रचयिता है-

(अ) स्वयंभू (ब) पुष्पदंत

(स) विद्यापति (द) विद्याधर

112. ये जोड़ी मिलायंे-

(क) मुनि नयनंदि- सुदंसणचरिउ

(ख) मुनि कनकामर- करकंडूचरिउ

(ग) स्वयंभू- पउमचरिउ

(घ) पुष्पदंत- महापुराण

उक्त में सही जोड़ी हैं

(अ) क (ब) क और ख

(स) क, ख और घ (द) क, ख, ग, घ

113. शैवों की रचना है, जिसमें अपभ्रंश के पद्य हैं-

(अ) अभिनव गुप्त की तन्त्रसार (ब) माहेश्वराचार्य की जन्म मरण विचार

(स) शितिकण्ठाचार्य की महानय प्रकाश (द) उक्त सभी

114. अपभ्रंश को राजाश्रय देने वाले राजवंश थे-

(अ) बंगाल में पाल वंश (ब) मान्यखेट में राष्ट्रकूट वंश

(स) गुजरात में सोलंकी चालुक्य वंश (द) उक्त सभी

115. अपभ्रंश के जाज्वल्यमान नक्षत्र कहे जाते हैं-

(अ) स्वयंभू (ब) पुष्पदंत

(स) रइधू (द) भगवतीदास

116. पं. तेजपाल कृत संभवणाहचरिउ कौनसा काव्य है?

(अ) महाकाव्य (ब) खण्डकाव्य

(स) गीतिकाव्य (द) इनमें से कोई नहीं

117. चंदप्पहचरिउ महाकाव्य के रचयिता हैं-

(अ) विवुध श्रीधर (ब) धनपाल

(स) तेजपाल (द) भट्टारक यशःकीर्ति

118. बाहुबलिचरिउ के कर्ता हैं-

(अ) विवुध श्रीधर (ब) धनपाल

(स) तेजपाल (द) पद्मकीर्ति

119. भरत और बाहुबलि के वंश का नाम था-

(अ) भारद्वाज वंश (ब) इक्ष्वाकुवंश

(स) यादव वंश (द) इनमें से कोई नहीं

120. पउमचरिउ के अनुसार राम की माता का नाम है-

(अ) अपराजिता (ब) पूर्णिमा

(स) कमलश्री (द) इनमें से कोई नहीं

121. ऋषभदेव की माता का नाम है-

(अ) शुरुदेवी (ब) मरुदेवी

(स) पुरुदेवी (द) विशल्यादेवी

122. महाकवि पुष्पदंत के पिता का नाम था-

(अ) चचगदेव (ब) केशवभट्ट

(स) रेशमभट्ट (द) इनमें से कोई नहीं

123. जंबूचरिउ महाकाव्य में किसका चरित वर्णित है?

(अ) जामवन्त (ब) नागकुमार

(स) जंबूकुमार (द) श्रीराम

124. धण्णकुमारचरिउ के रचयिता हैं-

(अ) पुष्पदंत (ब) धनपाल

(स) रइधू (द) भट्टारक यशःकीर्ति

125. करकंडचरिउ में किसका जीवन वर्णित है?

(अ) सुरकंडू (ब) राजकंडू

(स) करकंडू (द) इनमें से कोई नहीं

126. करकण्डू था-

(अ) राज पुत्र (ब) वणिक् पुत्र

(स) शूद्र पुत्र (द) इनमें से कोई नहीं

127. धन्यकुमार था-

(अ) राज पुत्र (ब) वणिक् पुत्र

(स) शूद्र पुत्र (द) दरिद्र पुत्र

128. योगसार के रचयिता हैं-

(अ) जोइन्दुदेव (ब) मुनि रामसिंह

(स) देवसेन (द) सुप्रभाचार्य

129. उपदेश रसायन के कर्ता हैं-

(अ) हरिभद्रसूरि (ब) जिनदत्तसूरि

(स) हेमचन्द्रसूरि (द) विनयप्रभसूरि

130. वैराग्यसार के रचयिता हैं-

(अ) जोइन्दुदेव (ब) मुनि रामसिंह

(स) देवसेन (द) सुप्रभाचार्य

131. 'कालस्वरूप कुलक' के रचनाकार हैं-

(अ) हेमचन्द्रसूरि (ब) जिनदत्तसूरि

(स) हरिभद्रसूरि (द) विनयप्रभसूरि

132. बौद्ध सिद्ध अपभ्रंश साहित्य में प्रतिपादन है-

(अ) बाह्यचारों-रूढ़ियों-पाखण्डों का (ब) तंत्र-मंत्रादि की निरर्थकता का

(स) सहजमार्ग पर बल का (द) उक्त सभी का

133. कौनसे मुक्तककार की रचनाओं में उपदेश विरक्तों के लिए न होकर मात्र गृहस्थों के लिए मिलता है?

(अ) हरिभद्रसूरि (ब) हेमचन्द्रसूरि

(स) जिनदत्तसूरि (द) इनमें से कोई नहीं

134. कौन से वैयाकरण ने अपनी व्याकरण में अपभ्रंश के पद्य उद्धृत किये हैं?

(अ) हेमचन्द्राचार्य (ब) पाणिनी

(स) वरदत्ताचार्य (द) इनमें से कोई नहीं

135. पं. चन्द्रधर शर्मा 'गुलेरी' ने किस भाषा को पुरानी हिन्दी कहा है-

(अ) अपभ्रंश (ब) संस्कृत

(स) पालि (द) इनमें से कोई नहीं

136. भरत मुनि ने किस प्रदेश को उकार बहुला भाषा का क्षेत्र बतलाया है?

(अ) पश्चिमोत्तर भारत को (ब) पूर्वी भारत को

(स) दक्षिण भारत को (द) इनमें से कोई नहीं

137. प्राकृत पैंगलम् है-

(अ) संग्रह कृति (ब) व्याकरण कृति

(स) मौलिक कृति (द) इनमें से कोई नहीं

138. कीर्तिलता के रचनाकार हैं-

(अ) कवि जिनपद्मसूरि (ब) कवि विद्यापति

(स) विद्याधर (द) विनयप्रभसूरि

139. परवर्ती अपभ्रंश का नाम है-

(अ) पुरानी हिन्दी (ब) अवहट्ट

(स) देशीभाषा (द) उक्त सभी

140. कीर्तिलता काव्य है-

(अ) ऐतिहासिक (ब) पौराणिक

(स) काल्पनिक (द) इनमें से कोई नहीं

141. कीर्तिलता में किसकी कीर्ति का यशोगान है?

(अ) ऋद्धिसिंह (ब) कीर्तिसिंह

(स) कीरतसिंह (द) सूर्यवरसिंह

142. भृंग-भृगी संवाद किस काव्य में है-

(अ) कीर्तिलता में (ब) पुष्पलता में

(स) प्राकृत पैंगलम् (द) थूलफागु में

143. वेदभाषा का विकास किससे हुआ?

(अ) प्रथमस्तरीय प्राकृत से (ब) पंचमस्तरीय प्राकृत से

(स) तृतीयस्तरीय प्राकृत से (द) इनमें से कोई नहीं

144. आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं की जननी किसे कहा जाता है?

(अ) पालि (ब) संस्कृत

(स) अपभ्रंश (द) इनमें से कोई नहीं

145. भारतीय भाषा का सर्वेक्षण करने वाले विदेशी विद्वान् हैं-

(अ) डॉ. हीरालाल जैन (ब) जार्ज गियर्सन

(स) डॉ. ए. एन. उपाध्ये (द) डॉ. के. सी. सोगानी

146. 'गुरु ग्रन्थ साहब' की लिखाई किस लिपि में है?

(अ) शारदा (ब) देवनागरी

(स) गुरूमुखी (द) ग्रन्थलिपि

147. परिनिष्ठित पंजाबी कहाँ बोली जाती है-

(अ) अमृतसर के आसपास (ब) लाहौर में

(स) जम्मू में (द) इनमें से कोई नहीं

148. बंगाला भाषा के प्रसिद्ध कवि हैं-

(अ) मैथिलीशरण गुप्त (ब) गुरुदेव रवीन्द्रनाथ टेगौर

(स) विद्याधर (द) विद्यापति

149. गुजराती का उद्भव हुआ है

(अ) महाराष्ट्री अपभ्रंश से (ब) दक्षिण अपभ्रंश से

(स) गूर्जर अपभ्रंश से (द) पूर्वी अपभ्रंश से

150. गुजराती भाषा की लिपि है-

(अ) देवनागरी (ब) शारदा

(स) ग्रन्थलिपि (द) उक्त सभी

Answer Sheet

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 . (अ) | 2 (ब) | 3 (ब) | 4 (स) | 5 (ब) | 6 (स) | 7 (अ) | 8(ब) | 9 (स) | 10 (ब) |
| 11 (द) | 12 (ब) | 13 (अ) | 14 (अ) | 15 (अ) | 16 (ब) | 17 (ब) | 18 (ब) | 19 (ब) | 20 (ब) |
| 21 द) | 22 (अ) | 23 (ब) | 24 (अ) | 25 (ब) | 26 (अ) | 27 (ब) | 28 (स) | 29 (ब) | 30 (अ) |
| 31 (ब) | 32 (द) | 33 (ब) | 34 (ब) | 35 (अ) | 36 (ब) | 37 (अ) | 38 (स) | 39 (स) | 40 (ब) |
| 41 (अ) | 42 (द) | 43 (ब) | 44 (ब) | 45 (ब) | 46 (ब) | 47 (अ) | 48 (अ) | 49 (स) | 50 (ब) |
| 51 .(अ) | 52 (ब) | 53 (स) | 54 (अ) | 55 (अ) | 56 (अ) | 57 (ब) | 58 (द) | 59 (स) | 60 (स) |
| 61 (ब) | 62 (द) | 63 (अ) | 64 (ब) | 65 (ब) | 66 (ब) | 67 (ब) | 68 (स) | 69 (ब) | 70 (अ) |
| 71 (अ) | 72 (अ) | 73 (स) | 74 (अ) | 75 (स) | 76 (अ) | 77 (स) | 78 (अ) | 79 (ब) | 80 (स) |
| 81 (ब) | 82 (अ) | 83 (ब) | 84 (ब) | 85 (अ) | 86 (द) | 87 (स) | 88 (ब) | 89 (अ) | 90 (अ) |
| 91 (ब) | 92 (स) | 93 (स) | 94 (द) | 95 (अ) | 96 (अ) | 97 (अ) | 98 (ब) | 99 (अ) | 100(द) |
| 101 . (द) | 102 (ब) | 103 (स) | 104 (स) | 105 (ब) | 106 (ब) | 107 (स) | 108 (स) | 109 (स) | 110 (ब) |
| 111 (अ) | 112 (द) | 113 (द) | 114 (द) | 115 (स) | 116 (अ) | 117 (द) | 118 (ब) | 119 (ब) | 120 (अ) |
| 121 (ब) | 122 (ब) | 123 (स) | 124 (स) | 125 (स) | 126 (अ) | 127 (ब) | 128 (अ) | 129 (ब) | 130 (द) |
| 131 (ब) | 132 (द) | 133 (स) | 134 (अ) | 135 (अ) | 136 (अ) | 137 (अ) | 138 (ब) | 139 (द) | 140 (अ) |
| 141 (ब) | 142 (अ) | 143 (अ) | 144 (स) | 145 (ब) | 146 (स) | 147 (अ) | 148 (ब) | 149 (स) | 150 (अ) |